खबर संक्षेप

15 अप्रैल से समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी

शहडोल। जिला आपूर्ति नियंत्रक विपिन पटेल ने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए जारी मानक संचालन प्रक्रिया को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार गेहूं खरीदी की तिथियों में संशोधन किया गया है। अब इंदौर, उज्जैन, भोपाल एवं नर्मदापुरम संभाग में गेहूं उपार्जन का कार्य 10 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होगा, जबकि शेष संभागों में यह प्रक्रिया 15 अप्रैल 2026 से शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि रबी विपणन वर्ष 2026-27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेंहू उपार्जन शहडोल जिले में 15 अप्रैल 2026 से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गेंहू खरीदी 2625 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित की गई है। राज्य सरकार प्रदेश के किसानों को गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य के अतिरिक्त 40 रूपए प्रति क्विंटल बोनस का लाभ भी इस वर्ष देने जा रही है।

धनपुरी नगरपालिका द्वारा हटाया गया अतिक्रमण

शहडोल। मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर के नेतृत्व में धनपुरी नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य एवं नवाचार किये जा रहे है। इसी अनुक्रम में मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुश्री पूजा बुनकर द्वारा नगरपालिका अंतर्गत विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने कॉलेज तिराहा से नरगड़ा नाला के बीच बने शहर के मुख्य नाले का निरीक्षण कर हुए मैदानी अमले द्वारा नाले के ऊपर हुए अतिक्रमण को हटवाया एवं विभिन्न वार्डो की साफ-सफाई के कार्य भी कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियो को दिए।

बड़ी भीट तालाब में जनमानस ने किया श्रमदान, जल संरक्षण की ली शपथ

शहडोल। जल गंगा संवर्धन अभियान शहडोल जिले में प्रगति पर है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल संचयन, सरंक्षण एवं जल का महत्व बताने हेतु गतिविधियां आयोजित की जा रही है। जल गंगा संवर्धन अभियान में जिलावासी उत्साह, उमंग और नई ऊर्जा के साथ सहभागी बनकर जल संरक्षण के लिए जन जन को जागरूक करने में अपना योगदान दे रहें। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा शहडोल के वार्ड क्रमांक 16 स्थित बड़ी भीट तालाब परिसर में व्यापक साफ-सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें नगरपालिका के अधिकारी-कर्मचारियों के साथ-साथ सामाजिक संस्था साइओम विजन के प्रतिनिधियों एवं स्वच्छता मित्रों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए श्रमदान किया एवं जल के संरक्षण एवं संवर्धन की शपथ भी दिलाई गई। श्रमदान में नगरपालिका कार्यालय के अधीक्षक मोतीलाल सिंह, उपयंत्री पुनीत त्रिपाठी, स्वच्छता निरीक्षक अनिल महोबिया सहित स्थानीय लोगो ने भाग लिया।

कलेक्टर ने खुद ली क्लास, बच्चों की प्रतिभा देख हुए गदगद

जब प्रशासनिक व्यस्तताओं को छोड़ ब्लैकबोर्ड पर उकेरा बच्चों का भविष्य

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह का गुरुजी अवतार भविष्य से भेंट कार्यक्रम में शिक्षा और संस्कारों की त्रिवेणी

शहडोल।

कहते हैं कि एक कुशल प्रशासक वही है जो फाइलों के अंबार से निकलकर जनता की बुनियादी जरूरतों और भविष्य की नींव को अपनी आंखों से परखे। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कुछ ऐसा ही अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। स्कूल चलें हम अभियान (सत्र 2026-27) के तहत आयोजित भविष्य से भेंट कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. सिंह का एक ऐसा अनूठा और आत्मीय रूप सामने आया, जिसे देखकर हर कोई मंत्रमुग्ध रह गया। शासकीय माध्यमिक विद्यालय मैकी में निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अपनी प्रशासनिक वर्दी के भीतर छिपे एक संवेदनशील शिक्षक को जीवंत कर दिया।

जब साहब बन गए सर

शासकीय माध्यमिक विद्यालय मैकी के गलियारों में उस वक्त हलचल तेज हो गई, जब जिले के मुखिया डॉ. केदार सिंह वहां पहुंचे, लेकिन यह कोई सामान्य निरीक्षण नहीं था। कलेक्टर सीधे कक्षा के भीतर पहुंचे, अपनी कुर्सी किनारे रखी और सीधे ब्लैकबोर्ड की तरफ रुख किया। हाथ में चॉक थामे जब उन्होंने बच्चों को पढ़ाना शुरू किया, तो नजारा किसी मंझे हुए शिक्षक जैसा था। कलेक्टर ने बच्चों को केवल भाषण नहीं दिया, बल्कि उनके स्तर पर उतरकर शिक्षा के महत्व को समझाया। उन्होंने ब्लैकबोर्ड पर विलोम शब्द, पर्यायवाची, कठिन पहाड़े और सामान्य ज्ञान के गूढ़ रहस्यों को इतने सरल ढंग से समझाया कि बच्चे भी अपनी झिझक भूलकर उनके साथ जुड़ गए। कक्षा का माहौल किसी गंभीर सरकारी बैठक जैसा नहीं, बल्कि एक जीवंत पाठशाला जैसा हो गया था।

बच्चों के आत्मविश्वास ने जीता दिल

अध्यापन के साथ-साथ डॉ. सिंह ने बच्चों की मेधा का परीक्षण भी किया। उन्होंने एक-एक कर बच्चों से सवाल पूछे, कभी गणित के कठिन समीकरण, तो कभी हिंदी व्याकरण की बारीकियां। जब विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ सटीक उत्तर दिए, तो कलेक्टर के चेहरे पर एक अभिभावक जैसी प्रसन्नता तैर गई। उन्होंने न केवल बच्चों की पीठ थपथपाई, बल्कि उनकी तैयारी के स्तर की खुले मन से सराहना भी की। कलेक्टर ने मौके पर ही बच्चों का लिखित और मौखिक टेस्ट लिया। उनका उद्देश्य केवल औपचारिकता पूरी करना नहीं, बल्कि जिले की शिक्षा व्यवस्था के जमीनी स्तर का वास्तविक आकलन करना था। बच्चों ने जब फर्राटेदार उत्तर दिए, तो डॉ. सिंह ने कहा, शहडोल के इन नन्हे हाथों में जिले और प्रदेश का भविष्य पूरी तरह सुरक्षित है।

संस्कारों की पाठशाला पर जोर

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अपने संबोधन में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और मार्मिक बात कही। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि केवल किताबी ज्ञान और डिग्रियां आपको सफल तो बना सकती हैं, लेकिन एक अच्छा इंसान बनने के लिए शिष्टाचार और संस्कार अनिवार्य हैं। शिक्षा वह है जो हमें समाज के प्रति संवेदनशील बनाए। स्कूल केवल साक्षर होने की जगह नहीं, बल्कि बेहतर नागरिक बनने की नर्सरी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को समय प्रबंधन, लक्ष्य निर्धारण और निरंतर अभ्यास के गुर सिखाए। उन्होंने बच्चों को प्रेरित किया कि वे कभी भी सवाल पूछने से न डरें, क्योंकि जिज्ञासा ही ज्ञान का पहला द्वार है।

चेहरे पर मुस्कान और हाथों में उपहार

शिक्षा के प्रति बच्चों के उत्साह को बढ़ाने के लिए कलेक्टर ने खुद अपने हाथों से विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री का वितरण किया। जब बच्चों को नए बैग, पेन और कंपास बॉक्स मिले, तो उनके चेहरे खिल उठे। कलेक्टर का यह व्यवहार बच्चों के लिए किसी सपने से कम नहीं था कि जिले का सबसे बड़ा अधिकारी उनके साथ बैठकर न केवल पढ़ाई कर रहा है, बल्कि उनकी जरूरतों का ध्यान भी रख रहा है।

शिक्षकों के लिए बने प्रेरणापुंज

डॉ. केदार सिंह का यह गुरुजी अवतार वहां मौजूद शिक्षकों के लिए भी एक बड़ा सबक था। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिए कि वे पढ़ाई को बोझिल बनाने के बजाय रुचिकर बनाएं। उन्होंने जोर दिया कि बुनियादी समझ पर काम करना बेहद जरूरी है। यदि बच्चों की नींव मजबूत होगी, तो भविष्य की इमारत अपने आप बुलंद होगी। इस अवसर पर उनके साथ सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिन्हा, सहायक संचालक संजय पांडे और विद्यालय की प्रधानाध्यापक श्रीमती जयश्री जायसवाल सहित पूरा स्टाफ मौजूद रहा। सभी ने कलेक्टर की इस सादगी और शिक्षा के प्रति उनके जुनून की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

स्वर्णिम युग की शुरूआत

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की यह पहल जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है। यह संदेश साफ है कि शिक्षा प्रशासन की प्राथमिकता में सबसे ऊपर है। जब जिले का मुखिया खुद ब्लैकबोर्ड पर चॉक थामता है, तो पूरे महकमे में एक ऊर्जा का संचार होता है। शहडोल के सरकारी स्कूलों के लिए यह एक नए और स्वर्णिम युग की शुरुआत है, जहां भविष्य से भेंट अब केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक बदलाव का संकल्प बन गया है।

8 अप्रैल तक साधना सप्ताह के तहत राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह 2.0 का आयोजन

कलेक्टर ने सभी शासकीय सेवकों को ऑनलाईन 10-10 प्रशिक्षण प्राप्त करने के दिए निर्देश

शहडोल।

साधना सप्ताह के तहत राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह 2.0 का आयोजन 02 अप्रैल से 08 अप्रैल तक किया जा रहा है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा समय सीमा की बैठक में शासकीय सेवकों द्वारा प्राप्त किए जा रहे प्रशिक्षण की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने बताया कि सिविल सेवाओं में क्षमता निर्माण हेतु राष्ट्रीय शिक्षण सप्ताह 2.0 साधना सप्ताह का आयोजन 2 अप्रैल से 8 अप्रैल 2026 तक किया जा रहा है। यह कार्यक्रम मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। सभी शासकीय एवं संविदा अधिकारी-कर्मचारियों को आई गाट कर्मयोगी पोर्टल पर पंजीयन कर न्यूनतम 10 ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूर्ण कर प्रमाण-पत्र प्राप्त करना अनिवार्य किया गया है। इस संबंध में आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी भोपाल द्वारा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, जिनके तहत सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने प्रोफाइल में जिला चयन कर आवश्यक जानकारी अद्यतन करनी होगी। तकनीकी सहायता के लिए पोर्टल के हेल्प सेंटर के माध्यम से लाइव सपोर्ट की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। संभाग स्तरीय समीक्षा के लिए सभी संबंधितों को निर्धारित गूगल लिंक में जानकारी भरना अनिवार्य किया गया है। साथ ही, प्रशिक्षण पूर्ण करने के पश्चात प्राप्त प्रमाण-पत्रों के डैशबोर्ड की फोटो भी लिंक में अपलोड करनी होगी। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे इस अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें, ताकि प्रशासनिक कार्यों में दक्षता एवं गुणवत्ता में वृद्धि हो सके।

कलेक्टर ने की सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा

100 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण के दिए निर्देश

शहडोल।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के पत्रों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने कहा कि विभिन्न विभागों में 100 दिन, 300 दिन और 500 दिन से ऊपर की शिकायतें लंबित हैं। संबंधित विभाग के अधिकारी इन शिकायतों की मानीटरिंग करें तथा इनका निराकरण सुनिश्चित करें।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन की नियमित मॉनिटरिंग जिला स्तरीय अधिकारी स्वयं करें तथा शिकायतों के निराकरण से संबंधित जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं।

उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जो विभाग सी या डी श्रेणी में हैं वे सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में प्रगति लाएं तथा ए श्रेणी में आने के लिए कार्य करें। लगातार सी एवं डी श्रेणी में आने वाले विभागों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के भी उन्होंने निर्देश दिए। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का, सुश्री अर्चना मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।.

शहडोल में गौ माता के लिए हुंकार, प्रशासन की सुस्ती पर भड़का आक्रोश

अब सड़कों पर उतरेगा हस्ताक्षर सैलाब

शहडोल।

भारतीय संस्कृति की धुरी कही जाने वाली गौ माता की दुर्दशा पर अब समाज का धैर्य जवाब दे रहा है। शहर के इंडियन कॉफी हाउस में आयोजित गौ सम्मान आह्वान अभियान की प्रेस कॉन्फ्रेंस में वक्ताओं ने प्रशासन को जमकर आड़े हाथों लिया। मंच से साफ संदेश दिया गया, गौ सेवा केवल भाषणों का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का संकल्प है।

सिर्फ कागजों पर संरक्षण क्यों

प्रेस वार्ता के दौरान अभियान के प्रणेताओं ने दो-टूक शब्दों में कहा कि प्रशासन गौवंश की सुरक्षा और अवैध गतिविधियों को रोकने में पूरी तरह नाकाम रहा है। वक्ताओं ने सवाल उठाया कि जब गौ माता का स्थान समाज की आर्थिक और धार्मिक रीढ़ है, तो फिर प्रशासन ठोस कदम उठाने के बजाय चुप्पी क्यों साधे है? उन्होंने मांग की कि गौवंश की देखभाल और सुरक्षा के लिए अब इंतजार नहीं, बल्कि कार्रवाई चाहिए।

हस्ताक्षर अभियान से हिलाया तंत्र

अभियान को केवल बातों तक सीमित न रखते हुए मौके पर ही विशाल हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। जनसमर्थन का आलम यह था कि बड़ी संख्या में लोगों ने पत्रक पर हस्ताक्षर कर व्यवस्था परिवर्तन की मांग बुलंद की। इस मुहिम में नंदी गौ सेवा धाम की टीम ने अग्रणी भूमिका निभाते हुए स्पष्ट कर दिया कि अब गौवंश के सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। विकास जोतवानी, अमन यादव, सिद्धांत रजक, खुशी सोनी और परी जोतवानी जैसे सक्रिय सदस्यों ने मोर्चा संभालते हुए समाज के हर वर्ग को इस धर्मयुद्ध से जुड़ने का आह्वान किया। जय गौ माता के उद्घोष से गूंजे हॉल में यह संकल्प लिया गया कि जब तक प्रशासन अपनी कुंभकर्णी नींद से जागकर गौवंश के संवर्धन के लिए सख्त नीति लागू नहीं करता, यह जनजागरण जारी रहेगा।

ट्रक के केबिन में फंदे पर झूला मालिक मौत से पहले पत्नी से फोन पर हुई थी बात

ब्यौहारी।

शहडोल-रीवा मार्ग पर स्थित पानी टंकी के पास उस वक्त हडक़ंप मच गया, जब एक खड़े ट्रक के केबिन के भीतर खुद वाहन मालिक की लाश फंदे पर लटकती मिली। ट्रक क्रमांक यूपी 70 जीटी 1771 के मालिक और चालक इरफान खान की इस संदिग्ध मौत ने पुलिसिया तंत्र को हिलाकर रख दिया है।

साथ खाना खाया, फिर क्या हुआ

प्रयागराज से ईंटें लादकर दो ट्रक ब्यौहारी पहुंचे थे। एक ट्रक इरफान चला रहा था और दूसरा उसका साथी चालक आनंद। रविवार रात दोनों ने साथ में खाना खाया, जिसके बाद इरफान अपने केबिन में सोने चला गया। सोमवार सुबह जब आनंद उसे जगाने पहुंचा, तो अंदर का खौफनाक मंजर देखकर उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। केबिन के भीतर इरफान फांसी के फंदे पर झूल चुका था।

फोन कॉल में छिपा है मौत का राज!

सूत्रों की मानें तो फंदे पर झूलने से पहले इरफान अपनी पत्नी से फोन पर लंबी बात कर रहा था। आखिर उस कॉल पर ऐसी क्या बात हुई कि दो-दो ट्रकों के मालिक को मौत को गले लगाना पड़ा? पुलिस अब फोन रिकॉर्ड्स खंगाल रही है।

जांच के घेरे में आत्महत्या

ब्यौहारी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्या यह कर्ज का दबाव था, कोई पारिवारिक कलह या फिर कुछ और फिलहाल पुलिस हर एंगल से तफ्तीश कर रही है, लेकिन इस घटना ने पूरे इलाके में दहशत और चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है।

इनका कहना है...

इरफान प्रतापगढ़ का रहने वाला था और वह अपने दो ट्रक में ईट लोड कर ब्यौहारी आया था, दूसरे ट्रक के चालक ने पुलिस को सूचना दी है। हम मामले में मर्ग कायम कर जांच कर रहे हैं। परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है।

जिया उल हक
थाना प्रभारी, ब्यौहारी

पेट्रोल डालकर छात्रा को डराने वाला दरिंदा दबोचा गया, छत्तीसगढ़ की फैक्ट्री में छिपा था 5 हजारी इनामी

शहडोल।

मौत के कुएं में कूदकर जान देने वाली अंजना सिंह को आखिरकार इंसाफ मिला है। गोहपारू पुलिस ने मानसिक प्रताडऩा देकर आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले मुख्य आरोपी पवन सिंह कंवर को छत्तीसगढ़ के महासमुंद से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की गिरफ्तारी पर पुलिस अधीक्षक ने 5000 रुपये का इनाम घोषित किया था।

सरेराह छात्रा पर डाला था पेट्रोल

वारदात की कहानी कलेजा कंपा देने वाली है। नवंबर 2024 में जब मृतिका अपनी बहन के साथ कॉलेज जा रही थी, तब आरोपी पवन ने न केवल उसका रास्ता रोका, बल्कि उस पर पेट्रोल जैसा तरल पदार्थ डालकर जिंदा जलाने की धमकी दी। इस खौफनाक मानसिक प्रताडऩा और लगातार मिल रही धमकियों से टूटकर छात्रा ने कुएं में कूदकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली थी।

साइबर सेल के जाल में फंसा भगोड़ा

घटना के बाद से ही आरोपी अपनी पहचान छिपाकर छत्तीसगढ़ की करणी कृपा फैक्ट्री में मजदूरी कर रहा था। लेकिन गोहपारू पुलिस की पैनी नजर और साइबर सेल की टावर लोकेशन ने उसके ठिकाने को बेनकाब कर दिया। थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा की टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। पुलिस की यह कार्रवाई उन सिरफिरों के लिए खुली चेतावनी है जो बेटियों की अस्मत और जिंदगी से खिलवाड़ करते हैं। गोहपारू पुलिस का यह प्रहार क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

खबर संक्षेप

सभी उर्वरक विक्रेता ई-विकास पोर्टल के माध्यम से ही करेंगे खाद का वितरण

उमरिया। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन के निर्देशानुसार,जिले में उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने और वितरण प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से सभी निजी एवं शासकीय उर्वरक विक्रेताओं के लिए क? निर्देश जारी किए गए हैं। उप संचालक कृषि ने कहा है कि जिले के सभी खाद विक्रेता (निजी एवं सहकारी समितियाँ) केवल ई विकास पोर्टल से जारी ई टोकन के माध्यम से उर्वरक का वितरण सुनिश्चित करेंगे। भारत सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही खाद का विक्रय करें। दुकान पर उर्वरक की स्टॉक स्थिति और मूल्य सूची (रेट बोर्ड) प्रदर्शित करना अनिवार्य है। भौतिक स्टॉक और ई विकास पोर्टल में स्टॉक का मिलान होना आवश्यक है। इसमें किसी भी प्रकार की विसंगति पाए जाने पर संबंधित विक्रेता के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश-1985 के तहत सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। उप संचालक कृषि ने किसानों से अपील की है कि वे अपनी आवश्यकतानुसार ही उर्वरक का क्रय ई टोकन के माध्यम से करें।

मौत के साये में महुआ बीनते है ग्रामीण

बाघ बना महुआ चोरः बांधवगढ़ में इंसानी मेहनत पर डकैती

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अब केवल बाघों के दीदार के लिए नहीं, बल्कि उनके अतरंगी और खौफनाक कारनामों के लिए भी सुर्खियों में है। ताजा मामला पनपथा बफर क्षेत्र के बंदरचुई इलाके का है, जहाँ एक बाघ ने न केवल एक ग्रामीण की सांसे रोक दीं, बल्कि उसकी दिनभर की मेहनत पर डाका डालकर चलता बना।

जब मौत के सामने मूक रह गया ग्रामीण

पनपथा के जंगलों में जब एक ग्रामीण अपनी किस्मत और पेट की आग बुझाने के लिए महुआ बीन रहा था, तब उसे क्या पता था कि चंद कदमों की दूरी पर साक्षात यमराज घात लगाकर बैठे हैं। महुए से लबालब भरा थैला तैयार था, लेकिन तभी झाड़ियों को चीरता हुआ एक भारी-भरकम बाघ बाहर निकला। ग्रामीण के पास न भागने का रास्ता था, न शोर मचाने की हिम्मत। वह ठगा सा खड़ा रहा और बाघ किसी दबंग की तरह महुए के थैले को जबड़े में दबाकर जंगल की ओर ओझल हो गया।

पर्यटन की चकाचौंध या मौत का खेल?

हैरानी की बात यह है कि जब बाघ इस लूट को अंजाम दे रहा था, कुछ ही दूरी पर पर्यटकों की जिप्सियां खड़ी थीं। लोग इस खौफनाक मंजर को रोमांच समझकर कैमरों में कैद कर रहे थे। सवाल यह उठता है कि क्या बफर जोन में ग्रामीणों की सुरक्षा केवल भगवान भरोसे है? एक तरफ महुआ बीनना ग्रामीणों की मजबूरी है, तो दूसरी तरफ बाघों का इस कदर रिहायशी दखल किसी बड़ी अनहोनी का साफ संकेत है।

कुंभकर्णी नींद में वन विभाग!

वीडियो वायरल होने के बाद अब वन अमला निगरानी बढ़ाने का रटा-रटाया राग अलाप रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि बाघ अब इंसानी गंध और वस्तुओं के इतने अभ्यस्त हो चुके हैं कि उन्हें शोर या भीड़ का कोई डर नहीं रहा। आज बाघ महुआ ले गया है, कल को वह किसी इंसान को अपना निवाला बना सकता है। क्या विभाग किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहा है?

इनका कहना है...

वीडियो की जानकारी मिलने के बाद जंगल में सर्चिंग बढ़ा दी गई है। साथ ही महुआ बीनने के लिए जंगल जाने वाले ग्रामीणों को सतर्क रहने और समूह में जाने की सलाह दी जा रही है।

प्रतीक श्रीवास्तव
रेंजर, बांधवगढ़

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई समय सीमा की बैठक

जल संरचनाओ को अतिक्रमण से मुक्त कराएं

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए खराब प्रगति पर समय सीमा में प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक बंद किया जाए।बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों, आयुक्त कार्यालय से प्राप्त आवेदनों तथा जनसुनवाई,न्यायालयीन प्रकरणों,मानवाधिकार के पत्रों,फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें।उन्होने शहरी भूमि के पट्टों के खराब निराकरण पर स्थिति को सुधारने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि सर्वाइकिल कैंसर से बचाव हेतु 14 वर्ष से लेकर 15 वर्ष तीन माह कि बच्चियों का निशुल्क एचपीवी का टीकारण किया जा रहा है, इसके लिए आवश्यक है कि स्कूल,हॉस्टल के माध्यम से टीकाकरण के कार्य शत प्रतिशत वृध्दि प्राप्त की जाए। उन्होंने समस्त अनुविभागीय अधिकारियों से कहा है कि अपने क्षेत्रांतर्गत गैस सिलेंडर की उपलब्धता का अवलोकन करें। साथ ही गैस उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर का वितरण क्रम के अनुसार ही किया जाए। उन्होने उप संचालक कृषि से कहा है कि खाद कि बिक्री केवल ई विकास केंद्र एवं ई टोकन के माध्यम से ही की जाए इसके बाद भी यदि अवैध रूप से खाद बिक्री होती पाई जाती है तो, संबंधित के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई जाए। उन्होंने उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं से कहा है कि जिले में स्थित गौशालाओ में पानी, चारा, भूसा आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होने समस्त अधिकारियों से कहा है कि साधना सप्ताह अंतर्गत सभी विभाग निर्धारित कोर्स को पूरा करें ।

उन्होने समस्त अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिले की प्रमुख नदियों का सीमांकन कराएं तथा तालाबो पर हो रहे अतिक्रमण को हटवाते हुए जल संरचनाओ को अतिक्रमण से मुक्त कराएं । जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सभी विभाग गंभीरता से कार्य करें एवं प्रतिदिन जानकारी उपलब्ध कराएं। इसके साथ ही अभियान में जन सहभागिता सुनिश्चित करते हुए आम जनों को जल के प्रति जागरूक किया जाए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह,अपर कलेक्टर पी.के.सेनगुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या,संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, अमित सिंह,एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह,एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले,डिप्टी कलेक्टर एवं जनपद सीईओ मानपुर प्रत्यूष श्रीवास्तव,डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत उंचेहरा में किया गया श्रमदान

उमरिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान का संचालन किया जा रहा है । जिले में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी कडी में करकेली सेक्टर क्रमांक 1 के ग्राम पंचायत उचेहरा की नदी में जल गंगा संवर्धन अभियान के द्वितीय चरण के तहत श्रमदान, साफ-सफाई स्थानीय नागरिकों के सहयोग से नदी के तट पर जमा गन्दगी , कचरा जवारे विसर्जन मे घ? आदि जो भी जमा थे उनका प्रस्फुटन समिति उंचेहरा सामूहिक श्रमदान के माध्यम से ग्रामीण लोगों समिति के सदस्यों,लाडली बहनों के सहयोग से सही स्थान पर निपटान किया गया ।सभी प्रतिभागियों द्वारा आसपास के क्षेत्र की साफ-सफाई की गई तथा एकत्रित कचरे का उचित निपटारण करते हुए जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। उपस्थित जनसमूह को जल संरक्षण के महत्व के बारे में बताया गया साथ ही प्रस्फुटन समिति के सभी सदस्यों के माध्यम से लोगों से आग्रह किया गया आप सभी जन अभियान परिषद की टीम के साथ मिलकर अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं। इस अवसर पर प्रस्फुटन समिति की अध्यक्ष खुशबु सिंह राजपूत, सचिव उषा सिंह राजपूत, पंचगण ०अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे, सभी ने मिलकर श्रमदान करते हुए यह संदेश दिया कि सामूहिक प्रयास से ही जल संरक्षण को सफल बनाया जा सकता है।

शिक्षक की सेवानिवृति पश्चात विद्यालय में दी गई समारोहपूर्वक विदाई

हरिभूमि न्यूज़ कोतमा। जनपद पंचायत अनुपपुर के कुहका खोडरी सीएम राइज विद्यालय परिवार के शिक्षकों ने विद्यालय के शिक्षक लक्ष्मण तिवारी को एक भव्य विदाई समारोह कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें फूल माला, अंगवस्त्र आदि के उपहार से सम्मानित किया। कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर समाजसेवी अशोक त्रिपाठी, सरपंच, प्राचार्य दीपक कुमार पांडेय, कांग्रेस नेता रिषी तिवारी सहित पंचायत के जनप्रतिनिधि विद्यालयों के शिक्षकों सहित स्कूली बच्चों व ग्रामवासियों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय शिक्षक व स्कूली बच्चों के स्वागत गान से प्रारंभ हुआ। अतिथि के रूप में पहुंचे गणमान्य लोगों ने कहा कि सेवानिवृत्त विद्यालय शिक्षक लक्ष्मण तिवारी का व्यक्तित्व ऐसा रहा है कि छोटा या बड़ा का भाव उनके मन में कभी नहीं आता दिखा, अपने कर्तव्यों को पूरी गंभीरता एवं संजीदगी से निभाया। वहीं विद्यालय के प्राचार्य दीपक कुमार पांडेय शिक्षकों ने कहा कि लक्ष्मण तिवारी मर्मज्ञ होने के साथ शिक्षकों को गढ़ने वाले और समाज का निर्माण करने वाले विद्यालय के शिक्षक के रूप में याद किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा में सेवाकाल के पश्चात विदाई समारोह में उमड़े भीड़ से ही उनके व्यक्तित्व व कृतित्व का पता चल जाता है। सेवानिवृत्ति भी एक सुखद क्षण है। जो सभी सरकारी सेवकों के नसीब में नहीं होता है। कांग्रेस नेता रिषी तिवारी ने कहा कि मेरे पिता एक जिम्मेदार अभिभावक के साथ ही अच्छे शिक्षक की भूमिका निभाई है उनका कहना था कि जब नींव मजबूत रहेगा तभी हम मजबूत रहेगे उन्होंने ग्रामीण क्षेत्र मे संदीपनी विद्यालय संचालित करवाया जिससे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिल सके। पहुंचे सभी अतिथियों ने सेवानिवृत्त शिक्षक के स्वस्थ और लंबी आयु की कामना ईश्वर सेवा की। सेवानिवृत्त शिक्षक लक्ष्मण प्रसाद तिवारी को कार्यक्रम के बाद उनके परिजनों विद्यालय के स्टाफ के द्वारा बैंड-बाजे के साथ विदाई कर घर तक पहुंचाया गया।

राजनगर में जल संकट गहराया

नगर परिषद ने शुरू की टैंकर सेवा, लोगों ने ली राहत की सांस'

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) में भीषण गर्मी के चलते पानी की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। जिससे निवासी बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं। नलों में पानी नहीं आने से दैनिक दिनचर्या प्रभावित हो रही है। स्थानीय निवासियों की शिकायतों के बाद, नगर परिषद ने क्षेत्र में पानी की आपूर्ति के लिए विशेष टैंकर सेवा की शुरुआत की है।

पानी टैंकर पहुँचते ही मच रही होड़

वार्डों में सुबह जैसे ही नगर परिषद का पानी टैंकर पहुंच रहा। लोगों में पानी भरने की होड़ लग जा रही। लोग खाली ड्रम और बाल्टियां, प्लास्टिक के डब्बे लेकर टैंकर के पास इकट्ठा हो जाते है। निवासियों का कहना है, कि पिछले कई दिनों से कालरी के नलों में पानी बहुत कम या न के बराबर आ रहा था।

अस्थाई प्याऊ की व्यवस्था

गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए नगर परिषद बनगवां (राजनगर) द्वारा नौ जगह पर अस्थाई प्याऊ की व्यवस्था की गई है। ताकि बस के यात्रियों, राहगीरों, नगर वासियों को पेयजल की संकट ना हो जरूरत पड़ने पर और अस्थाई प्याऊ की संख्या बढ़ाई भी जा सकती है।

एसईसीएल द्वारा पानी की नियमित सप्लाई न करना भी बना कारण

नगर परिषद अपना पहला पंचवर्षीय भी पूर्ण नहीं कर पाई है। नगर परिषद के अधिकांश क्षेत्र में कालरी के द्वारा पानी सप्लाई दिया जाता है। ऐसे में पहले एसईसीएल (कालरी) द्वारा ही पानी और अन्य सुविधाएं प्रदान की जा रही थी। परिषद क्षेत्र में नल जल योजना को पूर्ण होने में अभी लगभग 1 वर्ष का समय लग जाएगा। ऐसे में एसईसीएल द्वारा नियमित नगर में पानी की सप्लाई ना करना भी जल संकट का मुख्य कारण बन गया है। जिसके लिए नगर परिषद और एसईसीएल को समन्वय बैठाकर पानी की किल्लत को दूर करना होगा।

इनका कहना है

चूंकि मुझे अभी दो दिन ही हुए हैं, यहां का पदभार लिए, मैं एसईसीएल के अधिकारियों से भी बात कर रहा हूं, जरूरत पड़ने पर नगर परिषद द्वारा भी टैंकरों की संख्या बढ़ाई जाएगी। जिससे कि नगर वासियों को पानी की किल्लत से निजात मिल सके।

लखनलाल पनिका
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बनगवां (राजनगर)

इनका कहना है

भूजल स्तर गिरने और पाइपलाइन में खराबी के कारण आपूर्ति बाधित हुई है। फिलहाल 9 टैंकर विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किए गए हैं। जब तक पानी की सामान्य आपूर्ति बहाल नहीं हो जाती, तब तक टैंकर के माध्यम से निशुल्क पानी पहुंचाया जाएगा। पानी की कमी को पूर्ण करने के लिए नगर परिषद पूरी तरह तैयार है।

यशवंत सिंह, अध्यक्ष
नगर परिषद बनगवां राजनगर

भवन निर्माणकर्ताओं का मनमाना रवैया लोगों के लिए बना परेशानी

आवागमन में लोगों को होती है परेशानी

कोतमा। नगर में भवन निर्माणकर्ताओं का मनमाना रवैया लोगों के लिए परेशानी बना हुआ है। इनके स्वयं की सुविधा को लेकर सड़क पर भवन निर्माण सामग्री डलवाने पर हर दिन आवागमन में लोगों को परेशानी होती है। रात्रि के अंधेरे में दिखाई नहीं देने पर इससे टकराने से कई लोग चोटिल होकर घायल हो जाते हैं। पूर्व मे नगर पालिका प्रशासन के द्वारा कडा रूख अपनाते हुए कार्यवाही करते हुए सामान जप्ती के साथ ही जुर्माने की कार्यवाही की गई थी वावजूद इसके नगर की सड़कों पर लोगों के द्वारा भवन निर्माण सामग्री को रखवा रहें हैं जिसके कारण लोगों में रोष है। नगर में जगह-जगह भवन निर्माण तो मरम्मत के कार्य चल रहे हैं। ऐसा कोई मोहल्ला या गली नहीं है, जहां कार्य नहीं चल रहा हो अधिकांश लोगों ने स्वयं की सुविधा के अनुसार निर्माण सामग्री डलवा रखी है।

भवन निर्माण कार्य में ईंट, पत्थर, रेता, बजरी, लोहा सरिया आदि की जरूरत पर भवन मालिक बार-बार लाने के चक्कर से बचने के लिए एक मुश्त खरीदते हैं। घर के आगे या इसके पास से गुजरने वाली सड़क पर डालते हैं। कई लोग तो सड़क के बीचोंबीच सामग्री डालते है। इससे सड़क से आवागमन पूरा ही बंद हो जाता है। इसके अलावा सड़क के बीच रखी निर्माण सामग्री पर आवागमन में राहगीरों, वाहन चालकों को परेशानी उठानी पड़ती है। रात्रि के अंधेरे पर सड़क पर रखी निर्माण सामग्री दिखाई नहीं देती है। इसके कारण कई वाहन चालक इससे टकराकर चोटिल व घायल होते है। नगर में जगह-जगह सड़कों पर भारी मात्रा में पड़ी निर्माण सामग्री पर हर दिन हजारों लोग परेशान होते हैं। इससे परेशान कई लोग नगर पालिका को समस्या से अवगत करवा कार्यवाही की मांग कर चुके हैं, नगर पालिका प्रशासन को अभियान चलाकर कार्यवाही करने की मांग अब लोगों के द्वारा किया जा रहा है। इससे आमजन की परेशानियां दूर होगी। नगर में जगह-जगह सड़क पर भवन निर्माण सामग्री पड़ी है। इस पर आवागमन में हर दिन बड़ी परेशानी उठानी पड़ती है, लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। स्टेशन चौक के पास ठेकेदार के द्वारा शापिंग कांप्लेक्स का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है और निर्माण सामग्री को सड़क पर रखवाते हुए एक तरफ की सड़क को पूरी तरह से जाम कर दिया गया है जिसके कारण लोगों को आवागमन करने मे परेशानी का सामना करना पड़ता है। बता दें कि स्टेशन चौक नगर का प्रमुख स्थान होने के साथ ही हर समय यात्रियों का आना-जाना बना रहता है यात्रियों को लेने परिजन चार पहिया वाहन से आते हैं सड़क जाम होने के कारण परेशानी होती है और हर समय जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। पूरे नगर का हाल यही है सड़क पर ही गिट्टी एवं रेता गिरवा दिया गया है जिससे सड़क पूरी तरह से जाम हो जाती है लोगों को आवा गमन करने में परेशानी होती है । इतना ही नहीं भवन निर्माण कर्ता के द्वारा बीच सड़क पर ही सीमेंट रेता से मसाला बनवाया जाता है जिसके कारण सड़क तो खराब हो ही रही है साथ ही लोगों को आवागमन करने में भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

खबर संक्षेप

बी कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल व्यवहारी का रिजल्ट रहा अव्वल

ब्यौहारी बी कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल व्यवहारी का रिजल्ट रहा अव्वल छोटी क्लासों में बच्चों ने दिखाया हूंना फर्स्ट क्लास की फैज मंसूरी पिता मोहम्मद ाफ़खिर फर्स्ट क्लास में 400 पूर्णांक में 388 अंक प्राप्त कर स्कूल का एवं क्लास का नाम रोशन किया स्कूल स्टॉप ने बधाई दी

दो मासूमों को चंगुल से छुड़ाया, खाकी ने फिर जीता जनता का भरोसा!

शहडोल। सोहागपुर पुलिस ने अपहृत नाबालिगों की तलाश में बिजली जैसी फुर्ती दिखाते हुए दो बालकों को मौत के मुहाने से सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। थाना प्रभारी अरुण कुमार पांडेय के नेतृत्व में पुलिस ने घेराबंदी कर 17 वर्षीय किशोर को बुढार और 16 वर्षीय बालक को गोहपारू बस स्टैंड से बरामद किया। अपराधियों के मंसूबों पर पानी फेरते हुए पुलिस ने दोनों को बाल कल्याण समिति के जरिए उनके बिलखते परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। एएसआई रामनारायण पांडेय की जांबाज भूमिका ने साफ कर दिया है कि शहडोल में अब बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों की खैर नहीं। खाकी का यह कड़ा प्रहार अपराधियों के लिए खुली चेतावनी है।

पशु चारे का जिले की सीमा के बाहर निर्यात प्रतिबंधित

कटनी। जिले में आगामी माहों में पशु चारा एवं भूसा की उपलब्धता बनाये रखने हेतु कलेक्टर आशीष तिवारीने समस्त प्रकार के पशु चारा कडवी (ज्वार के डण्ठल), पैरा (धान के डण्ठल), गेहूँ का भूसा, घास, तथा पशुओं द्वारा खाये जाने वाले चारे की अन्य किस्मों के कटनी जिले की सीमा के बाहर निर्यात पर तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक के लिये प्रतिबंधित कर दिया है। कलेक्टकर श्री तिवारी ने जारी आदेश में कहा है कि कोई भी कृषक, व्यापारी या व्यक्ति निर्यातक, किसी भी प्रकार के वाहन (नाव, मोटर, रेल, ट्रक, यान, बैलगाडी अथवा पैदल) द्वारा कटनी जिले से अन्य जिलों में कलेक्टर की अनुज्ञा पत्र के बिना पशु चारे का निर्यात नहीं करेगा। इसके अतिरिक्त कोई भी व्यक्ति पशु चारे के निर्यात करने का प्रयास नहीं करेगा तथा निर्यात करने का दुष्प्रेरण नहीं करेगा।यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

32 जल स्रोतों की सफाई, 173 ट्यूबवेल का सुधार कार्य

कटनी। नगर निगम कटनी द्वारा शहरवासियों को स्वच्छ और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए रोजाना किए जाने वाले प्रयासों में गति लाकर प्राथमिकता के साथ शिकायतों का निराकरण करने के प्रयास अनवरत जारी है। इसी श्रृंखला में रविवार को नगर के विभिन्न स्थलों विवेकानंद वार्ड, महात्मा गांधी वार्ड, विश्राम बाबा वार्ड,बाबू जगजीवन राम वार्ड, संत कंवरराम वार्ड सहित नगर के अन्य वार्डों में सिटी सप्लाई के दौरान निरीक्षण किया जाकर पेयजल के सैंपल एकत्रित करने की कार्यवाही कर जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए। निगम प्रशासन का कहना है कि नागरिकों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पानी की नियमित जांच की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर तत्काल सुधार किया जा सके।

चार वार्डों में फागिंग मशीन से छोड़ा गया रासायनिक धुआं

कटनी। मच्छर जनित बीमारियों पर नियंत्रण हेतु नगर निगम प्रशासन द्वारा रोजाना नगर के विभिन्न स्थलों में फॉगिंग अभियान चलाकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार नगर के चार वार्डों में फागिंग मशीन के माध्यम से रासायनिक धुआं कर मच्छरों के नियंत्रण हेतु कार्यवाही की गई। निगम अमले द्वारा शाम के समय गणेश प्रसाद मसूरहा वार्ड, जालपा देवी वार्ड, महात्मा गांधी वार्ड और जयप्रकाश वार्ड के मुख्य एवं अन्य मार्गों में ई रिक्शा वाहन में फागिंग मशीन रखकर रासायनिक धुआं का छिड़काव कर डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों के फैलाव पर प्रभावी नियंत्रण के प्रयास किए गए।

शिक्षकों का हल्ला बोलः 8 अप्रैल को शहडोल में थमेगा चक्का

टेट परीक्षा के खिलाफ आर-पार की जंग का ऐलान!

शहडोल। जिले के हजारों शिक्षकों के भविष्य पर मंडरा रहे टेट परीक्षा के काले बादलों को छंटने के लिए शिक्षक संघ संयुक्त मोर्चा ने निर्णायक युद्ध का बिगुल फूंक दिया है। आगामी 8 अप्रैल को दोपहर 4 बजे जयस्तंभ चौक पर शिक्षकों का ऐसा सैलाब उमडऩे वाला है, जिसकी गूंज भोपाल से लेकर दिल्ली के गलियारों तक सुनाई देगी। मोर्चा ने दो-टूक शब्दों में साफ कर दिया है कि यह लड़ाई अब केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि शिक्षकों की रोजी-रोटी और आत्मसम्मान की है।

शादियों और पार्टियों का मोह छोड़ो, वजूद की लड़ाई लड़ो!

संयुक्त मोर्चा के दिग्गज नेताओं संजीव त्रिपाठी, संतोष शर्मा और श्याम नारायण पाठक सहित पूरी कार्यकारिणी ने तीखे लहजे में शिक्षक बिरादरी को झकझोरा है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि जो शिक्षक आज शादियों, जन्मदिन की पार्टियों और व्यक्तिगत व्यस्तताओं का बहाना बना रहे हैं, वे याद रखें कि यदि नौकरी नहीं रही तो समाज में कोई सम्मान नहीं बचेगा। नेताओं ने ललकारते हुए कहा जब आपके अधिकारों का हनन हो रहा था, तब क्या आप गहरी नींद में सोए थे? कल अपने बच्चों को क्या जवाब दोगे?

भ्रामक पोस्ट से रहें सावधान, एकता ही एकमात्र हथियार

शिक्षक नेताओं ने सोशल मीडिया पर चल रही अफवाहों और भ्रामक पोस्ट से बचने की सलाह दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 5 वर्ष से कम सेवा वाले और 2011 के बाद नियुक्त शिक्षक भी इस अग्निपरीक्षा के घेरे में हैं, इसलिए घर बैठने का समय अब खत्म हो चुका है। 50 प्रतिशत से अधिक महिला शिक्षकों की भागीदारी को इस आंदोलन की रीढ़ बताया गया है। अपील की गई है कि जिस उत्साह से आप किसी बारात की तैयारी करते हैं, वैसी ही तैयारी 8 अप्रैल के इस महा-आंदोलन के लिए करें।

प्रशासन को सीधी चुनौती

पिछले दिनों कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री को सौंपे गए ज्ञापन के बाद सरकार के नरम पड़ते रुख को शिक्षकों ने अपनी पहली जीत माना है। मोर्चा का मानना है कि यदि 8 अप्रैल को शहडोल की सडक़ों पर शिक्षकों की भारी धमक दिखाई दी, तो सरकार को टेट परीक्षा का फैसला हर हाल में वापस लेना ही होगा।

जिले के युवाओं और बच्चों के लिए अभिनय सीखने का सुनहरा मौकाः नाट्य विद्यालय आयोजित करेगा कार्यशाला

बुढार। शहडोल,कला और रंगमंच के क्षेत्र में भविष्य तलाश रहे शहडोल के बच्चों और युवाओं के लिए एक उत्साहजनक खबर है। मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय के द्वारा आगामी अप्रैल माह में जिले में 'बाल सह युवा नाट्य कार्यशाला' का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला का उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को रंगमंच की बारीकियों से रूबरू कराना और उन्हें पेशेवर मंच प्रदान करना है।

विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में निखरेगी प्रतिभा

कार्यशाला के निर्देशक के रूप में चयनित अनुभवी रंगकर्मी लकी चतुर्वेदी ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिविर उन सभी प्रतिभागियों के लिए खुला है जो अभिनय और रंगमंच में रुचि रखते हैं। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को केवल अभिनय ही नहीं, बल्कि नाटक से जुड़े हर तकनीकी और रचनात्मक पहलू का गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा।

क्या-क्या सीखेंगे प्रतिभागी?

कार्यशाला का पाठ्यक्रम काफी विस्तृत रखा गया है, जिसमें निम्नलिखित विषयों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगाःअभिनय कौशलः बॉडी लैंग्वेज, बॉडी मूवमेंट, इंप्रोवाइजेशन और डायलॉग डिलीवरी।

रचनात्मकताः इमेजिनेशन (कल्पनाशीलता), ऑब्जरवेशन (अवलोकन) और वॉइस एंड स्पीचातकनीकी पक्षः लाइट डिजाइन, मंच सज्जा वस्त्र सज्जा और रूप सज्जा।कला एवं शिल्पः मुखौटे बनाना, प्रॉप्स का निर्माण और उनका सही उपयोग।साहित्य एवं परंपराः सक्रिप्ट रीडिंग-राइटिंग, कविता एवं कहानी वाचन के साथ-साथ पारंपरिक लोक कला, गीत और नृत्य।प्रबंधनः थियेटर मैनेजमेंट और टीम वर्क।

समापन पर होगी भव्य नाट्य प्रस्तुति

लकी चतुर्वेदी ने आगे जानकारी दी कि सीखने की इस प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप देने के लिए कार्यशाला के दौरान एक नाट्य प्रस्तुति भी तैयार की जाएगी। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कलाकार कार्यशाला के समापन सत्र में इस नाटक का मंचन करेंगे, जिससे उन्हें सीधे दर्शकों के सामने अपनी कला प्रदर्शित करने का अनुभव प्राप्त होगा। अभिनय की दुनिया में कदम रखने के इच्छुक प्रतिभागी इस कार्यशाला में अपना पंजीयन कराकर सहभागिता सुनिश्चित कर सकते हैं।

बेटियों के दुश्मनों पर भारी पड़ी गोहपारू पुलिस

15 दिन से लापता मासूम बरामद, खाकी की तत्परता से घर में लौटी खुशियां!

शहडोल। मासूम बच्चियों को बहला-फुसलाकर अपना शिकार बनाने वाले शातिर दिमाग अपराधियों को गोहपारू पुलिस ने एक बार फिर करारा जवाब दिया है। 21 मार्च से लापता एक 15 वर्षीय नाबालिग बालिका को पुलिस ने अपनी सक्रियता के दम पर सुरक्षित दस्तयाब कर लिया है। अपहरण की इस गुत्थी को सुलझाते हुए पुलिस ने बालिका को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

15 दिन का खौफनाक इंतजार खत्म

बीती 22 मार्च को जब बेबस परिजनों ने थाने में अपनी लाडली के गुम होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, तब घर में मातम पसरा हुआ था। परिजनों ने अंदेशा जताया था कि कोई अज्ञात दरिंदा उनकी मासूम बेटी को झांसे में लेकर फरार हो गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी राजकुमार मिश्रा ने तत्काल घेराबंदी शुरू की और अपनी विशेष टीम को मैदान में उतार दिया।

बस स्टैंड पर घेराबंदी, सुरक्षित हुई दस्तयाबी

लगातार 15 दिनों की कड़ी मशक्कत और सूचना तंत्र के जाल ने रंग दिखाया। 6 अप्रैल को गोहपारू पुलिस ने सटीक सूचना के आधार पर ग्राम चुहिरी बस स्टैंड पर दबिश दी, जहाँ से नाबालिग बालिका को सकुशल बरामद कर लिया गया। सउनि देवेंद्र सिंह, महिला आरक्षक कुंवरदेवी और आरक्षक अमर सिंह की इस जांबाज टीम ने साबित कर दिया कि अपराधियों के लिए अब गोहपारू में कोई जगह नहीं है। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई ने न केवल एक परिवार को बिखरने से बचाया, बल्कि क्षेत्र के अपराधियों में खौफ भर दिया है।

जिले के सभी विकासखंडों के चिन्हित स्कूलों में लगेंगे आधार कार्ड शिविर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

जिले के स्कूलों में कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर आधार कैंप लगाकर विद्यार्थियों को आधार से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। ताकि उन्हें नामांकन और अपडेट के लिए अलग से कहीं जाने की आवश्यकता न पड़े। इसलिए विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर पर ही आधार से संबंधित सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है।

कलेक्टर श्री तिवारी के निर्देश पर इसके लिए प्रत्येक विकासखण्ड के चिन्हित स्कूलों में 6 अप्रैल से 22 अप्रैल के बीच आधार कैंपों के आयोजन के लिए पृथक -पृथक तिथियां तय की गई हैं।इन कैंपों में छात्रों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट के साथ-साथ विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आधार कार्ड में मोबाइल नंबर अद्यतन न होने के कारण ई-केवाईसी से वंचित आवेदकों का भी आधार अद्यतन कराने का दायित्व संबंधित रोजगार सहायक, पंचायत सचिव और पटवारी को सौंपा गया है। इसके लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण(यूआईडीएआई)द्वारा अपडेशन के लिए निर्धारित शुल्क संबंधित से लिया जायेगा।शालाओं के प्रधानाध्याआपकों को निर्देशित किया गया है कि वे यूडीआईएसई-प्लस पोर्टल से उन विद्यार्थियों की सूची अद्यतन कर लें जिनके आधार में एमबीयू पेंडिंग हैं। ऐसे विद्यार्थियों को आधार अपडेट कराने के लिये जागरूक किया जाए और उन्हें आधार कैंपों में बुलाया जाये। ताकि आधार अपडेट किया जा सके।

जारी शिविर कार्यक्रम के अनुसार विकासखंड कटनी के अंतर्गत शासकीय हाई स्कूल चाका, शासकीय हाई स्कूल हिरवारा, शासकीय मॉडल स्कूल रॉबर्ट लाइन हॉस्टल में 6 अप्रैल से 10 अप्रैल तक शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार शासकीय हाईस्कूसल मझगवां फाटक में 11 अप्रैल से 21 अप्रैल तक, शासकीय न्यूर गर्ल्सै हायर सेकेण्डसरी स्कूाल कन्हवारा में 11 अप्रैल से 18 अप्रैल तक, शासकीय हायर सेकेण्डंरी स्कूणल पिपरौंध में 11 अप्रैल से 17 अप्रैल तक, शासकीय हाईस्कूल कुठला में 18 अप्रैल से 24 अप्रैल तक शिविर का आयोजन किया जाएगा। विकासखण्ड बड़वारा के अंतर्गत सरस्वगती हायर सेकेण्डकरी स्कूील बरही और हायर सेकेण्ड्री स्कूाल बरही में 10 अप्रैल तक, शासकीय प्राइमरी स्कूील नन्हैवारा सेझा में 11 अप्रैल से 16 अप्रैल तक, शासकीय हायर सेकेण्डररी स्कूशल भुड़सा में 11 अप्रैल से 17 अप्रैल तक शिविर का आयोजन किया जाएगा।विकासखण्ड बहोरीबंद के अंतर्गत इंटीग्रेटेड मॉडल स्कूगल कुआं में 6 अप्रैल से 11 अप्रैल तक, इंटीग्रेटड हायर सेकेण्डंरी स्कूल दीता में 6 अप्रैल से 9 अप्रैल तक, इंटीग्रेटेड हायर सेकेण्ड,री स्कूटल कूड़ा में 6 अप्रैल से 10 अप्रैल तक, ग्रेस मिशन स्कू ल स्ली मनाबाद में 13 अप्रैल से 21 अप्रैल तक, शासकीय हाई स्कूतल रामपाटन में 10 अप्रैल से 16 अप्रैल तक शिविर का आयोजन किया जाएगा।

डीईजी ने कंट्रोल रूम में समीक्षा बैठक में प्रभावी कार्यवाही के दिये निर्देश

नशे के अवैध कारोबार की चैन तोड़ने सख्त कार्यवाही करने दिये निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

पुलिस उप महानिरीक्षक जबलपुर रेंज अतुल सिंह ने कटनी जिले के प्रवास के दौरान पुलिस कंट्रोल रूम में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में पिछले दो माह की पुलिस उपलब्धियों का लेखा-जोखा देखा गया और आगामी लक्ष्यों को लेकर कड़े दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में मुख्य रूप से पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, जिले के सभी राजपत्रित अधिकारी और थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार के संकल्प को दोहराते हुए डीआईजी अतुल सिंह ने आगामी तीन वर्षों में देश को पूर्णतः मादक पदार्थ मुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए अपनी कार्ययोजना साझा की। नशे के कारोबार से जुड़े 'शैडो एरिया' को चिन्हित कर उनकी चेन तोड़ने पर विशेष फोकस रहेगा। नशे की गिरफ्त में आए लोगों के पुनर्वास और जन-जागरण के माध्यम से समाज की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। 1 अप्रैल 2026 से शुरू हुए 'ऑपरेशन मुस्कान' को लेकर डीआईजी ने विशेष संवेदनशीलता दिखाई। उन्होंने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उन परिवारों की मुस्कान वापस लाना है जिनके बच्चे (अवयस्क किशोर-किशोरी) घर से लापता हैं। पिछले दो महीनों में देश के दूर-दराज के शहरों से नाबालिगों को बरामद करने पर उन्होंने संतोष जताया और इसे और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए।

शीघ्र निबटायें लंबित मामले

बैठक के दौरान जिले की कानून व्यवस्था को लेकर भी कड़े रुख अपनाए गए। धारा 173(8) जा.फौ. के तहत लंबित पुराने प्रकरणों और जिनमें गिरफ्तारियां अभी शेष हैं, उनकी विस्तृत समीक्षा की गई। डीआईजी ने सभी राजपत्रित अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित मामलों का निराकरण शीघ्र अति शीघ्र किया जाए। बैठक की शुरुआत में पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन (PPT) के माध्यम से विगत दो महीनों में कटनी जिले द्वारा प्राप्त की गई सफलताओं और लक्ष्यों की जानकारी साझा की।

कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकों का किया गया सम्मान

सुधा स्मृति स्कूल बरही करौंदीखुर्द में वार्षिक परीक्षा परिणाम ओपन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत बड़वारा की अध्यक्ष श्रीमती सुधा घनश्याम जायसवाल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता वीरेंद्र जायसवाल ने की। विद्यालय के सभी शिक्षकों को शाल, श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। अभिभावक घनश्याम जायसवाल ने कहा सुधा स्मृति स्कूल सिर्फ किताबी ज्ञान ही नहीं देता, बल्कि बच्चों में संस्कारों की नींव भी मजबूत करता है। यहाँ के शिक्षक हमारे बच्चों को अपने बच्चों की तरह पढ़ाते हैं। कार्यक्रम के अंत में स्कूल डायरेक्टर रमाकांत मिश्रा ने सभी अभिभावकों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्टाफ सदस्य तथा बड़ी संख्या में अभिभावकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के संचालक आर के मिश्रा ने किया।

महापौर ने सुनी नागरिकों की समस्यायें

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बालाजी नगर क्षेत्र में नाले को लेकर मिल रही शिकायतों पर महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी ने त्वरित संज्ञान लेते हुए स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ एमआईसी सदस्य, संबंधित अधिकारी एवं स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे।

महापौर के पहुंचते ही क्षेत्रीय नागरिकों ने अपनी समस्याएं विस्तार से रखते हुए नाले के निर्माण में आई खामियों की ओर ध्यान आकृष्ट कराया। नागरिकों ने बताया कि नाले में जगह-जगह अप-डाउन होने के कारण पानी का प्रवाह बाधित हो रहा है, जिससे जल निकासी प्रभावित हो रही है और कई स्थानों पर पानी रुकने से जलभराव की स्थिति बन रही है।

महापौर श्रीमती सूरी ने नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पूरे क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने नाले की संरचना, ढाल (स्लोप) एवं जल प्रवाह की स्थिति को देखते हुए संबंधित ठेकेदार एवं अधिकारियों को निर्देशित किया कि नाले में मौजूद सभी खामियों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल दूर किया जाए तथा पानी की सुचारू निकासी सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुगम मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान नागरिकों ने महापौर द्वारा त्वरित कार्रवाई और मौके पर पहुंचकर समस्या का समाधान कराने के प्रयासों की सराहना करते हुए जल्द सुधार की उम्मीद जताई।

ढीमरखेड़ा पुलिस ने की कार्यवाही, आरोपितों में एक अपचारी बालक भी शामिल

नाबालिगा का अपहरण करने वाले तीन आरोपित गिरफ्तार, भेजा जेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ ढीमरखेड़ा

ढीमरखेड़ा पुलिस ने नाबालिग के अपहरणकर्ता को गिरफ्तार किया है। यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डेहरिया व एसडीओपी श्रीमति आंकाक्षा चतुर्वेदी के निर्देशन मे थाना प्रभारी ढीमरखेडा अभिषेक चौबे के नेतृत्व में ऑपरेशन मुस्कान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार दिनांक 03.04.26 को रात्रि करीब 2:30 बजे प्रार्थी के द्वारा थाना में उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसकी लडकी अपने मामा के घर से रामलीला देखने को कह कर घर से गई थी जहां से कुछ लोग उसे बोलोरो गाड़ी में उठाकर ले गए हैं। प्रार्थी की रिपोर्ट पर प्रकरण पंजीबद्ध कर पुलिस टीम के दो अलग-अलग दलों को रात्रि में ही अपहर्ता की पतासाजी के लिए रवाना किया गया। चौतरफा नाकाबंदी की गई। जानकारी प्राप्त हुई कि तीन लोग काली बोलोरो गाडी से आये और नाबालिका लडकी को उठा कर ले गये जो मामले को गंभीरता को देखते हुए अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया। कंट्रोल रूम के माध्यम से सभी सरहदी थानों को सूचना देकर नाकाबंदी की गई। पुलिस द्वारा मेहनत करते हुए बालिका को सुरक्षित दस्तयाब किया और आरोपीयान को गिरफ्तार भी किया।

घटना में प्रयुक्त बोलोरो गाड़ी को भी जप्त किया गया है । आरोपी 01. राज बागरी पिता मुन्नीलाल बागरी 20 साल निवासी महुदा थाना सिंगपुर 02. विनय पिता अवधेश बागरी 20 साल निवासी रिकआकला नागौद 03. अपचारी बालक है। आरोपियों में मुख्य अभियुक्त बाल अपचारी है। प्रकरण के आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से 2 आरोपियों को जेल दाखिल करने के आदेश दिए गए हैं। जबकि बाल अपचारी को बाल सुधार गृह भेजा गया है।

उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी निरी. अभिषेक चौबे, सउनि संतोष विश्वकर्मा, आर. पंकज, आर. गंधर्व सिंह, आर अजय धुर्वे, आर रंजीत सिंह, म.आर. शालनी राजपूत और साइबर सेल से आरक्षक अमित का विशेष योगदान रहा।

करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

बिलहरी चौकी पुलिस ने करोड़ों रुपए के लेनदेन से जुड़े मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चिसीया के मार्गदर्शन में थाना कुठला प्रभारी राजेंद्र मिश्रा एवं चौकी प्रभारी बिलहरी सुयश पांडे की टीम ने कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार रोशन नगर निवासी राजेंद्र विश्वकर्मा की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में बताया गया कि आर्यवत शिक्षा समिति को डोनेशन दिलाने के नाम पर जीशान नामक व्यक्ति ने संस्था का एक्सिस बैंक खाता प्राप्त कर करीब 4.26 करोड़ रुपए का संदिग्ध लेनदेन कर धोखाधड़ी की। मामले की विवेचना के दौरान खाते की व्यवस्था कराने वाले आरोपी चार्ल्स रॉड्रिक्स 46 निवासी रोशन नगर थाना एनकेजे को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

कार्रवाई में थाना प्रभारी राजेंद्र मिश्रा, चौकी प्रभारी सुयश पांडे, सहायक उपनिरीक्षक दामोदर राव, प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र यादव, भरत विश्वकर्मा, आरक्षक लव उपाध्याय एवं संदीप भलावी की भूमिका रही।

खबर संक्षेप

नगरपालिका बिजुरी के विभिन्न वार्डों में 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के तहत हुआ श्रमदान

बिजुरी। प्रदेशव्यापी 'जल गंगा संवर्धन अभियान' के अंतर्गत नगर पालिका परिषद बिजुरी द्वारा नगर के विभिन्न वार्डों में स्थित प्राचीन तालाबों एवं जल संरचनाओं के संरक्षण हेतु विशेष स्वच्छता एवं श्रमदान अभियान संचालित किया गया। यह अभियान कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशन में मानसून पूर्व जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और स्वच्छता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान वार्ड क्रमांक 07, 09, 10 एवं 15 में स्थित प्रमुख तालाबों पर नगर पालिका अमले एवं स्थानीय नागरिकों की सहभागिता से व्यापक साफ-सफाई की गई। वार्ड नं. 09 स्थित सूर्य मंदिर तालाब में घाटों की सफाई के साथ जलकुंभी एवं कचरे को हटाया गया। वार्ड नं. 15 के भावनिया देवी तालाब परिसर में झाड़ियों की कटाई-छंटाई कर विसर्जित सामग्री हटाई गई। इसी प्रकार वार्ड नं. 10 के देवी मंदिर तालाब में किनारों की सफाई का कार्य किया गया, जबकि वार्ड नं. 07 स्थित भालूगुडार तालाब के आसपास फैले प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट को एकत्रित कर स्वच्छता वाहनों के माध्यम से निष्पादित किया गया। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे जल स्त्रोतों में कचरा, प्लास्टिक एवं पूजन सामग्री का विसर्जन न करें तथा जल संरक्षण के प्रति जागरूक रहें। ताकि वर्षा ऋतु के आगमन से पूर्व नगर के सभी पारंपरिक जल स्त्रोतों को पूर्णतः स्वच्छ कर संरक्षित किया जाए, जिससे भू-जल स्तर में सुधार सुनिश्चित हो सके।

राज्य स्तरीय पदक विजेता खिलाड़ियों को मिलेगी खेलवृत्ति, 31 मई तक करें आवेदन

अनूपपुर। संचालनालय, खेल और युवा कल्याण भोपाल के निर्देशानुसार जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों के लिए राज्य स्तरीय खेलवृत्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह खेलवृत्ति उन खिलाड़ियों को प्रदान की जाएगी जिन्होंने 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के मध्य आयोजित अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक अर्जित किया है। निर्धारित प्रावधानों के अनुसार स्वर्ण पदक विजेताओं को 10,000 रुपये, रजत पदक विजेताओं को 8,000 रुपये तथा कांस्य पदक विजेताओं को 6,000 रुपये की खेलवृत्ति राशि प्रदान की जाएगी। खेलवृत्ति हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 मई 2026 निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र खिलाड़ी आवेदन संबंधी विस्तृत जानकारी चचाई रोड, अनूपपुर स्थित जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं। खेलवृत्ति के दिशा-निर्देश व नियमावली विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं प्रभारी जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी, अनूपपुर द्वारा जिले के समस्त पात्र खिलाड़ियों से निर्धारित समय-सीमा में आवेदन करने की अपील की गई है।

भाजपा ने किया कार्यालय निर्माण का भूमि पूजन, चचाई रोड पर बनेगा कार्यालय

अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अनूपपुर जिला कार्यालय निर्माण के लिए चचाई रोड पर 6 अप्रैल को भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित हुआ। मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिलीप जायसवाल, जिले के प्रभारी मंत्री एवं शहडोल सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रामलाल रौतेल, जिला प्रभारी संजय साहू, जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम, पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता, रामदासपुरी आधार वैश्य एवं बृजेश गौतम की उपस्थिति में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। वर्चुअल माध्यम से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भाजपा के क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जमवाल ने मार्गदर्शन प्रदान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा का कार्यालय कार्यकर्ताओं की आधारशिला है। यह केवल दफ्तर नहीं, बल्कि भाजपा कार्यकर्ता के लिए एक मंदिर के समान है। कार्यक्रम के दौरान कोतमा में हुई दुखद घटना के शोक में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। बैठक के दौरान वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में अनूपपुर भाजपा मंडल के लगभग 50 युवा कार्यकर्ताओं ने मंडल अध्यक्ष बृजेश चतुर्वेदी के प्रयास से भाजपा की सदस्यता ली। जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम एवं जिला प्रभारी संजय साहू ने उन्हें अंगवस्त्र ओढ़ाकर पार्टी में स्वागत किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। भाजपा के 47 वें स्थापना दिवस पर जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम के नेतृत्व में अनूपपुर जिले के सभी बूथों पर कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम आयोजित किए।

आंसुओं की धार के साथ पुत्र ढूंढता रहा अपनी मां को

होटल में मौत की गहरी खुदाई, तीन की मौत से पसरा मातम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/कोतमा। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के कोतमा नगर में बस स्टैंड के सामने शनिवार को एक लॉज का भवन भरभराकर गिर गया। इस दर्दनाक हादसे में जीजा-साले समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए हैं, जिनका इलाज जारी है। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और दहशत का माहौल है।

मलबा हटाते वक्त मिली पिता की मौत की खबर

हादसे ने कई परिवारों को गहरा जख्म दिया है। 55 वर्षीय हेमराज यादव उस वक्त राहत-बचाव कार्य में लगे थे और जेसीबी से मलबा हटा रहे थे। तभी उन्हें अस्पताल से फोन आया कि मलबे में मिले शवों में उनके पिता हनुमानदीन यादव भी शामिल हैं। हेमराज की आवाज भर्रा जाती है जब वे बताते हैं सुबह पिताजी ने कहा था कि गांव में महुआ बीन रहा हूं, काम पर नहीं जाऊंगा। लेकिन शाम को पता चला कि वे उसी लॉज में काम कर रहे थे और मलबे में दब गए।

परिवार का सहारा थे हनुमानदीन

हनुमानदीन यादव खेती-बाड़ी के साथ राजमिस्त्री का काम करते थे। वे कोतमा मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर लोढ़ी गांव के रहने वाले थे और रोजाना काम के लिए कोतमा आते-जाते थे। परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं। पत्नी का निधन 19 साल पहले हो चुका था। ऐसे में परिवार की जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर थी।

साइकिल से 22 किमी आकर मजदूरी करता था बेटा

इस हादसे में हनुमानदीन के साले 40 वर्षीय रामकृपाल यादव की भी मौत हो गई। वे बेहद गरीब परिवार से थे और रोजाना 22 किलोमीटर साइकिल चलाकर मजदूरी करने आते थे। उनके बेटे दुर्गेश यादव ने बताया कि पिताजी ही घर के अकेले कमाने वाले थे। रोज 300 रुपए कमाते थे। उस दिन भी सुबह काम पर गए थे और बोले थे कि आज पेमेंट मिलेगा, देर हो जाएगी। लेकिन वे कभी वापस नहीं आए। दुर्गेश ने बताया कि परिवार पहले से कर्ज में डूबा है और अब घर चलाना मुश्किल हो गया है। प्रशासन की ओर से मिली आर्थिक सहायता जरूरत के मुकाबले बहुत कम है।

मां को ढूंढता रहा बेटा, अगले दिन मिला शव

हादसे में 45 वर्षीय राधाबाई कोल की भी मौत हो गई। उनका शव अगले दिन मलबे से निकाला गया। राधाबाई का इकलौता बेटा आकाश मलबे के पास बैठा पूरी रात अपनी मां को ढूंढता रहा। आकाश ने रोते हुए कहा मां कहती थीं बेटा, शादी कब करेगा, बहू कब घर लाएगा, अब वो ही नहीं रहीं। राधाबाई मजदूरी करके बेटे का पालन-पोषण कर रही थीं। पति का पहले ही निधन हो चुका था।

इलाके में शोक और आक्रोश

इस घटना ने कई परिवारों को हमेशा के लिए तोड़ दिया। अपनों को खोने का दर्द और आर्थिक संकट दोनों एक साथ सामने खड़े हैं। पूरा कोतमा नगर गमगीन है और हर आंख नम है। लोग दोषियों पर सख्त कार्रवाई और पीड़ित परिवारों को पर्याप्त मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं।

मां नर्मदा में आस्था की डुबकी, बैसाखी स्नान हेतु आ रहे श्रद्धालुगण

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। धार्मिक आध्यात्मिक एवं पावन तीर्थ नगरी अमरकंटक इन दिनों भक्ति और श्रद्धा के अनुपम संगम का साक्षी बन रही है। पतित-पावनी नर्मदा नदी के पवित्र तट पर वैशाख मास के शुभारंभ के साथ ही बैसाखी स्नान हेतु श्रद्धालुओं की निरंतर आमद बढ़ती जा रही है। दूर-दराज से आए श्रद्धालु मां नर्मदा की गोद में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। चैत्र मास की पूर्णाहुति के पश्चात जैसे ही वैशाख प्रतिपदा का शुभारंभ हुआ, वैसे ही तीर्थयात्रियों का प्रवाह अमरकंटक की ओर उमड़ पड़ा। देश के विभिन्न प्रांतों छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात एवं दक्षिण भारत के अनेक राज्यों से श्रद्धालु यहां पहुंचकर मां नर्मदा के पावन जल में स्नान, दर्शन, पूजन एवं अर्चन कर आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत हो रहे हैं। प्रातः कालीन बेला से ही नर्मदा तट पर भक्ति का अलौकिक दृश्य देखने को मिलता है। "हर-हर नर्मदे" के गूंजते जयकारों के बीच श्रद्धालु स्नान कर विधिवत पूजन-अर्चन करते हैं। यह क्रम दिनभर चलता है और संध्या होते ही श्रद्धालु अपने-अपने गंतव्य की ओर लौट जाते हैं, हृदय में आस्था और संतोष की दिव्य अनुभूति संजोए हुए। विशेष रूप से आज वैशाख मास के इस पुण्य अवसर पर मंडला जिले के नैनपुर-सालीवाड़ा क्षेत्र से सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे, वहीं छत्तीसगढ़ के मुंगेली से भी बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों ने अमरकंटक पहुंचकर मां नर्मदा के पावन जल में स्नान कर पुण्य अर्जित किया। अमरकंटक में इन दिनों हर ओर भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिकता की मधुर सरिता प्रवाहित हो रही है। मां नर्मदा की पावन धारा में आस्था की यह अविरल डुबकी श्रद्धालुओं के जीवन को पवित्रता और शांति से आलोकित कर रही है।

किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु किया गया जागरूक

लखौरा विद्यालय में एचपीवी टीकाकरण जागरूकता शिविर संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन एवं स्वास्थ्य व शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लखौरा में छात्राओं के मध्य सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम हेतु ह्यूमन पैपिलोमा वायरस टीकाकरण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 9 से 14 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को इस गंभीर बीमारी के प्रति सचेत करना और समय पर सुरक्षा कवच प्रदान करना रहा। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी विनोद परस्ते, स्वास्थ्य विभाग से वर्मा, विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकगण, स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि, आशा कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में बताया गया कि जिला प्रशासन महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा के प्रति अत्यंत गंभीर है। सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाले प्रमुख कैंसरों में से एक है, जिसे सही समय पर टीकाकरण के माध्यम से रोका जा सकता है। केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुरूप यह टीका किशोरियों के लिए पूरी तरह सुरक्षित और प्रभावी है। कार्यक्रम में स्वास्थ्य कर्मियों ने टीकाकरण को लेकर छात्राओं के मन में व्याप्त शंकाओं का वैज्ञानिक तर्कों के साथ समाधान किया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में यह अभियान संचालित किया जा रहा है, जिससे घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने जानकारी दी कि आगामी शिविरों के माध्यम से जिले की सभी पात्र छात्राओं का शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। शासन के "पूर्ण सुरक्षित बचपन" संकल्प के अंतर्गत जिला प्रशासन का लक्ष्य प्रत्येक पात्र किशोरी को इस टीकाकरण अभियान से जोड़ना है। शिविर में छात्राओं ने न केवल स्वयं टीका लगवाने, बल्कि अपने आसपास के लोगों को भी कैंसर के लक्षणों और बचाव के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

रखरखाव कार्य के चलते अनूपपुर के विभिन्न क्षेत्रों में 7 एवं 8 अप्रैल को विद्युत आपूर्ति रहेगी अवरुद्ध

अनूपपुर। म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड अनूपपुर के कार्यपालन अभियंता (संचा./संधा.) ने बताया है कि उपसंभाग अनूपपुर अंतर्गत 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र, 33 के.व्ही. लाइन, एल.टी. लाइन एवं ट्रांसफार्मरों का रखरखाव का कार्य किया जाएगा। उक्त कार्य के प्रभावी रूप से सम्पादन हेतु विभिन्न उपकेन्द्रों/फीडरों में विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहेगी। कार्यपालन अभियंता ने बताया है कि 07 अप्रैल को 11 के.व्ही. मॉडल फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं, 11 के.व्ही. न्यू बम्हनी फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं, 11 के.व्ही. पिपरिया ए.जी. फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं, 11 के.व्ही. केन्हौरी फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं तथा 8 अप्रैल को 11 के.व्ही. जमुड़ी फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं, 11 के.व्ही. पसला फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं, 11 के.व्ही. पिपरिया डी.एल. फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं, 11 के.व्ही. बकेली फीडर से जुड़े समस्त विद्युत उपभोक्ताओं के यहां प्रातः 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहेगी। कार्य के अनुसार विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहने की समयावधि को बढ़ाया या घटाया जा सकता है।

कोयलांचल में धड़ल्ले से चल रहा सफेद दूध का काला कारोबार

इस समय दूध की गुणवत्ता सवालों के घेरे में है। कोयलांचल व इसके आसपास कोतमा, भालूमाड़ा, जमुना, बिजुरी, निगवानी, राजनगर, डोला, डूमरकछार के क्षेत्रो मे बड़ी संख्या में दूध में मिलावट की जा रही है और लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। यह कारोबारियों का मुनाफा बढ़ाने वाला खेल है इसलिए लोगों के स्वास्थ्य की कीमत पर भी खेला जा रहा है। दूध को घरों तक पहुंचाने की प्रक्रिया में स्वच्छता का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रखा जाता है। जिन बर्तनों में दूध रखा जाता है उनमें लगा डिटर्जेंट भी ठीक से धुल नहीं पाता है और सीधा दूध में मिल जाता है। इसके अलावा दूध में यूरिया, स्टार्च, ग्लूकोज, फॉर्मेलिन के साथ डिटर्जेंट की मिलावट भी धड़ल्ले से की जा रही है। ये सभी पदार्थ दूध में इसलिए मिलाए जाते हैं ताकि दूध को और गाढ़ा बनाया जा सके, उसमें फैट कम न हो और फिर इन्हें मिलाने से दूध को ज्यादा समय तक सहेजना भी संभव हो सके।

नकली व मिलावटी दूध से लोग हो रहे बीमार

हरिभूमि न्यूज कोतमा। भारत जैसे देश में जहां बड़े पैमाने पर दूध उत्पादन असंगठित क्षेत्र द्वारा किया जाता है जिनमें छोटे ग्वाले या दूधवाले शामिल हैं वे अक्सर दूध को उपभोक्ता तक पहुंचाने की प्रक्रिया में साफ-सफाई का विशेष ख्याल नहीं रखते हैं। कोयलांचल मे मिलावटखोर जहां जानबूझकर दूध में ऐसे तत्व मिलाते हैं जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक हैं तो ये छोटे दूधवाले दूध के संरक्षण की सही प्रक्रिया से ही अनजान हैं। दूध में पानी की मिलावट किसी भी व्यक्ति को सामान्य बात लग सकती है लेकिन यह सभी तरह की मिलावट में सबसे खतरनाक है। दूध की मात्रा बढ़ाने के लिए उसमें मिलाया जाने वाला पानी अमूमन दूषित होता है जो कि स्वास्थ्य के लिए बहुत ही ज्यादा घातक है। जब दूध में पानी की मिलावट रहती है तो उसका स्वाद बदल जाता है। ऐसे दूध को जब गर्म किया जाता है तो कितना भी गर्म करने पर वह बर्तन से बाहर नहीं आता है।

चाय भी बनती है बेस्वाद

मिलावटी दूध से बनने वाली चाय बेस्वाद ही रहती है और निकलने वाली मलाई भी कम हो जाती है। जो लोग दूध में पानी की मिलावट करते हैं उन्हें पकडे जाने का भय होता है क्योंकि दूध की गुणवत्ता प्रभावित होती है और इससे बचने के लिए वे दूध का

गाढ़ापन, स्वाद और घनत्व बढ़ाने के लिए उसमें यूरिया, स्टार्च, फॉर्मेलिन, डिटर्जेंट, स्किम मिल्क पावडर, न्यूट्रालाइजर्स सहित कुछ अन्य तत्वों की मिलावट करते हैं। मिलावट का सारा कारोबार मुनाफे के लालच से जुड़ा है। कोयलांचल व आसपास के क्षेत्र कोतमा, भालूमाड़ा, जमुना, बिजुरी, निगवानी, राजनगर, डोला, डूमरकछार मे डेयरी वाले भी रातोरात करोडपति बनने के फेर मे ग्राहको की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं वही खाद्य एवं औषधि विभाग चंद सिक्को के फेर मे अपनी मूक सहमति दिये हुये है।

कैंसर से मौत तक का खतरा

आहार विशेषज्ञों के अनुसार अभी तक तीन सफेद खाद्य वस्तुओं को स्वास्थ्य के लिए खतरनाक माना गया था जिनमें नमक, शक्कर और मैदा शामिल थी लेकिन अब इसमें दूध भी शुमार हो गया है। द इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा है कि डिटर्जेंट के कारण खाद्य विषाक्तता

खाद्य एवं औषधि विभाग की मूक सहमति

(फूड पॉइजनिंग) और आंतों और पाचन तंत्र से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा दूध में मिलावट के कारण हृदय संबंधी समस्या, कैंसर और कई बार मृत्यु तक हो सकती है। जिस दूध में यूरिया, कास्टिक सोड़ा या फॉर्मेलिन की मिलावट है उसे पीने से तुरंत पेट संबंधी दिक्कतें शुरू होती हैं और लंबे समय में यह गंभीर बीमारी में बदल जाती है जो जानलेवा हो सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने दी थी समझाइश

दूध में मिलावट के खतरे को भांपते हुए जुलाई 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मिलावटखोरों से कडे तरीके से निपटना चाहिए और इसके लिए आजीवन कारावास का प्रावधान होना चाहिए। कोर्ट ने सरकार को इस दिशा में पहल करने के लिए भी कहा। कोर्ट ने यह भी कहा कि दूध में मिलावट करने वालों को मात्र छह महीने की सजा देकर छोड़ा नहीं जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने दूध में मिलावट के मामले को गंभीरता से लेते हुए इसके लिए छह महीने की सजा के बजाय आजीवन कारावास की सजा हेतु सरकार को पहल करने को कहा था। इसके अलावा कोर्ट ने दूध में मिलावट के कारोबार को रोकने के लिए नियमित रूप से जांच करने के आदेश भी दिए थे। दूध में मिलावट के बढ़ते चलन और इससे होने वाले स्वास्थगत खतरों को देखते हुए सजा के इस कदम

का स्वागत किया ही जाना चाहिए।

ऐसे करें दूध का परीक्षण

यूरिया की पहचान के लिए टेस्ट- 5 मिली दूध को 5 मिली पैराडिमिथाइल अमीनो बेंजल्डिहाइड के साथ अच्छे से मिलाइए। यह यह मिश्रण पीला हो जाता है तब दूध के इस सैंपल में यूरिया की मिलावट तयशुदा है।

संथेटिक दूध को पहचानें- सिंथेटिक दूध का स्वाद कुछ कडवापन लिए होता है। उंगलियों के बीच इस रगड़ने पर साबुन जैसा चिकनापन लगता है। गर्म करने पर पीला भी पड़ जाता है।

स्टार्च की मिलावट का टेस्ट- 3 मिली दूध को गर्म कीजिए। इसके बाद दूध को कमरे के तापमान पर ठंडा करके उसमें 2-3 बूंद आयोडिन की मिलाइए। नीला रंग आपको बता देगा कि दूध में स्टार्च की मिलावट की गई हैं।

ग्लूकोज की मिलावट का टेस्ट- डायसेटिक स्ट्रिप को लेकर दूध में 30 सेकंड से 1 मिनट तक डुबाकर रखिए। अगर इस स्ट्रिप का रंग बदल जाता है तो पता चलता है कि दूध में ग्लूकोज मिलाया गया है।

डेयरी संचालक से लेकर छोटे ग्वाले भी कर रहे जिंदगी से खिलवाड़

क्या-क्या मिलाया जाता है दूध में

दूध में जिन पदार्थों की मिलावट की जाती है उनसे शरीर को किस तरह नुकसान पहुंचता है उसे ऐसे समझें- यूरियाः सिंथेटिक मिल्क में फैट वैल्यू बढ़ाने के लिए यूरिया मिलाया जाता है। यह आंतों और पाचन तंत्र पर बुरा असर डालता है। डिटर्जेंटः इसकी मदद से भी फैट वैल्यू बढ़ती है मगर स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। फॉर्मेलिनः आमतौर पर पाश्चुरीकृत दूध 4 डिग्री सेल्सियस से कम तापमान पर 48 घंटे तक रखा जा सकता है। मगर कारोबारी दूध को ज्यादा दिनों तक रखने के लिए उसमें फॉर्मेलिन की मिलावट करते हैं। यह ऑर्गन फेल्योर की स्थिति ला देता है। साथ ही आंतों और पाचन तंत्र को बुरी तरह प्रभावित करता है। शुगरः लैक्टोमीटर पर रीडिंग बढ़ाने के लिए के लिए, पानी की मिलावट छुपाने के लिए दूध में शुगर मिलाई जाती है। अगर पानी अशुद्ध है तो बड़े पैमाने पर फैलने वाली बीमारी की चपेट में आप आ सकते हैं। नमकः लैक्टोमीटर रीडिंग से बचाव के लिए पानी वाले दूध में नमक मिला दिया जा है। इससे भी दूध की पौष्टिकता कम हो जाती है।